Subject :- Sociology Date :- 28/04/2020

Class :- D-II Subsidiary

Topic :- आतंकवाद और इसकी विशेषताएँ

By :- Dr. S.N. Choudhary Guest Teacher
Marwari College, Darbhanga, 9507941619

आतंकवाद

Online Study Material No:- (56)

Introduction :- सम्प्रति आतंकवाद, विश्व के समक्ष एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण समस्या है। यह एक ऐसी समस्या है जो न केवल राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को अस्थिर कर रही है बल्कि राष्ट्र की सम्प्रभुता, सुरक्षा और व्यवस्था के लिए घातक बनी हुई है। अमेरिका जैसा आर्थिक रूप से सम्पन्न देश जहाँ अत्याधुनिक आग्नेयशास्त्रों का पूर्ण भंडार है, इस समस्या के प्रति नतमस्तक है। आतंकवाद आज भारत, श्रीलंका, जर्मनी, जापान, इजराइल, फ्रांस कनाडा, इटली, स्पेन, रूस, पुर्तगाल, टर्की तथा मिस्र में भी अत्यधिक विकराल रूप धारण कर लिया है। आतंकवादी अपने संगठनों के प्रति इतना निष्ठावान होते हैं कि वे अपने प्राणों की आहुति देकर भी अपने सिद्धांतों का प्रचार करना चाहते हैं। वे आतंक के उन्माद में आत्मघाती दस्ता बनकर भी लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं। आतंकवादी अपनी आपराधिक क्रियाओं को बहुत ही गुप्त रूप से सार्वजनिक स्थलों, महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों, संसद भवनों, विधानसभाओं में घटित करते हैं। वे कभी हाइजैकिंग तो कभी मोटरगाड़ी या रेलगाड़ियों में विस्फोट करते हैं। पुल और रेलवे लाइन को उड़ा देते हैं तो कभी अपनी शर्तों को मनवाने के लिए विशिष्ठ नागरिकों को बन्धक बनाते हैं तो कभी हत्या या अपहरण जैसे दंड उन व्यक्तियों के ऊपर लागू करते हैं जिन्हे संगठन के लिए हानिकारक समझा जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के एक छोटे अनुमान के अनुसार पूरी दुनियां में आज 7000 से अधिक संगठन आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त हैं। पूरी दुनियां में लगभग 10 लाख लोग आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त हैं। इनमें से 75% से ज्यादा युवा हैं। प्रतिवर्ष 50 हजार से ज्यादा आतंकवादी पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा मौत के घाट उतार दिए जाते हैं। इजराइल में हमास, टर्की में कुर्द, मिस्र में गामा-अल इस्लामिया संगठन, जर्मनी में बादेर मैहाफ, इटली में रेड ब्रिगेड, जापान में रेड आर्मी, फ्रांस में Direct Action group, नेपाल में माओवादी, श्रीलंका में लिट्टे, भारत में जैश ए मोहम्मद, लस्कर ए तोयबा, अलबदर आदि कुछ प्रमुख आतंकवादी संगठनों के उदाहरण हैं। इसी प्रकार कुछ आतंकवादी संगठन सम्पूर्ण विश्व में अपना नेटवर्क (जाल) फैलाए हुए हैं - जैसे - ओसामा बीन लादेन

का अलकायदा, जमायत-ए इस्लामी जो सारे विश्व में 'अल्लाह का राज्य' कायम करना चाहते हैं

आतंकवादी का अर्थ

आतंकवादी क्या है? इसकी मान्य परिभाषा क्या है? इस विषय पर आजकल गंभीर चिन्तन-मनन किया जाने लगा है। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियाँ आयोजित की जा रही है। किंतु अब तक कोई एक सर्वमान्य परिभाषा नहीं बन पायी है। शब्द व्युत्पत्ति की दृष्टि से 'आतंकवाद' शब्द दो शब्दों के मेल से बना है आतंक + वाद। आतंक का अर्थ भय या त्रास तथा वाद का अर्थ व्यवस्थित मत या सिद्धांत। इस अर्थ में 'आतंकवाद' शब्द का अर्थ एक ऐसा व्यवस्थित मत या सिद्धान्त से है जो भय या त्रास पर आधारित हो। दूसरे शब्दों में ऐसा व्यवस्थित मत या सिद्धान्त जो भय या त्रास विधी के माध्यम से अपने लक्ष्य की पूर्ति करने में विश्वास करता है, आतंकवाद के नाम से सम्बोधित किया जाता है।

जे० वी० एस० हाइमैन के अनुसार, "आतंकवाद पद का प्रयोग उस पद्धति या पद्धति के पीछे सिद्धान्त का वर्णन करने के लिए किया जाता है जिसके द्वारा एक संगठित समूह या दल अपने प्रकट लक्ष्यों की प्राप्ति मूल्य रूप से हिंसा के व्यवस्थित प्रयोग द्वारा करता है।"

इस परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि आतंकवाद एक पद्धति के पीछे छिपा हुआ एक सिद्धांत है। यह एक ऐसा सिद्धान्त है जो अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हिंसात्मक पद्धतियों के प्रयोग का विचार देता है। इस परिभाषा से यह भी स्पष्ट होता है कि आतंकवादियों में लिप्त समूह काफी संगठित होता है।

दि न्यू एन साइक्लो पीडिया ब्रिटेनिका के अनुसार, "आतंकवाद राजनीतिक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सरकारों, जनता या व्यक्तियों के विरुद्ध भय, पूर्वानुमान न करने योग्य हिंसा का व्यवस्थित प्रयोग है।"

इस परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि आतंकवाद राजनैतिक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु हिंसा का व्यवस्थित प्रयोग है। यह हिंसात्मक प्रयोग सरकार के विरुद्ध भी हो सकता है और आम जनता या व्यक्तियों के विरुद्ध भी हो सकता है। इस परिभाषा से यह भी स्पष्ट होता है कि आतंकवादी अपने राजनीतिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए इतना गुप्त रूप से हिंसा का प्रयोग करते हैं कि उसका पूर्वानुमान करना संभव नहीं है।

Scanned with CamScanner

"चैम्बर्स इंग्लिश डिक्सनरी के अनुसार "आतंकवाद विशेषकर राजनीतिक लक्ष्यों के लिए अभिग्रास की एक संगठित व्यवस्था है।"
इस परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि आतंकवाद एक संगठित व्यवस्था है और इसका उद्देश्य कुछ राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करना है।

भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत आतंकवाद विरोधी अधिनियम में आतंकवाद को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि "सरकार अथवा लोगों को आतंकित करने, विभिन्न वर्गों में वैमनस्य बढ़ाने तथा शान्ति भंग करने के उद्देश्य से बम विस्फोट करने, आग्नेशास्त्रों का प्रयोग करने, सम्पति नष्ट करने, रसायन या रासायनिक अस्त्र इस्तेमाल करने तथा आवश्यक सेवाओं में गड़बड़ी करने के उद्देश्य से जो कार्य किए जाएँगे, उन्हें आतंकवादी कार्य माना जाएगा।"

आतंकवाद का उद्देश्य :-

आतंकवाद का मुख्य उद्देश्य- राष्ट्र की शक्ति को कमजोर करना, सत्ता में परिवर्तन करना, अपने संगठन का प्रचार-प्रसार करना, समाज में भय उत्पन्न करना, सामाजिक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करना, युद्ध वातावरण बनाना, राष्ट्रीय विकास में बाधा उत्पन्न करना, जन समुदाय में हत्या या हिंसा का तांडव उत्पन्न करना, राष्ट्रीय सम्पति को नुकसान पहुँचाना आदि होता है।

एलेक्जेंडर और फिंगर के अनुसार आतंकवाद का मुख्य उद्देश्य है:-

(i) जन समर्थन प्राप्त करना।
(ii) शासन की शैन्य एवं मनोवैज्ञानिक शक्ति को विघटित करना।
(iii) आंतरिक स्थिरता को तोड़ना तथा विकास कार्यक्रमों को रोकना।

इसी प्रकार जे. मैलिन ने राजनीतिक आतंकवाद के पाँच उद्देश्यों की चर्चा की है जो निम्नलिखित है:-

(i) सामान्य आतंकवादियों का मनोबल बढ़ाना।
(ii) आंदोलन को उग्र रूप देना तथा प्रचार करना।
(iii) जनता में आतंक और भ्रांतिमूलक स्थिति पैदा करना।
(iv) विरोधी शक्तियों को हटाना तथा
(v) सरकार को भड़काना।

आतंकवाद की विशेषताएँ

आतंकवाद की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:-

Scanned with CamScanner

(1) आतंकवाद अभित्रास की एक संगठित पद्धति है। यह वह अस्त्र है जिससे किसी देश, राज्य, समुदाय एवं समूह में भय उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है।

(2) आतंकवाद के अन्तर्गत लक्ष्य प्राप्ति के लिए हिंसा का व्यवस्थित प्रयोग किया जाता है।

(3) आतंकवाद का एक निश्चित राजनैतिक लक्ष्य होता है।

(4) इससे किसी जन समुदाय को तात्कालिक उत्पीड़ित या आहत किया जाता है।

(5) आतंकवाद क्रांतिकारी दर्शन पर आधारित होता है। यह व्यवस्था आमूल परिवर्तन करना चाहता है।

(6) आतंकवादी अपने विरोधियों को केवल धमकी ही नहीं बल्कि जान से मार डालते हैं और आर्थिक क्षति पहुँचाते भी हैं।

(7) आतंकवादी व्यवहार प्रकट भी होता है और अप्रकट भी।

(8) क्रांतिकारी प्रविधि के रूप में आतंकवाद अराजकतावाद का पोषक है।

(9) आतंकवाद व्यक्तियों की अपेक्षा सामाजिक समूहों और शक्तियों के बीच संघर्ष में लड़ाई करने की एक पद्धति है एवं यह किसी भी सामाजिक व्यवस्था में घटित हो सकती है।

(10) यह संकीर्ण स्वार्थ की भावना पर आधारित होता है।

S. N. Choudhary
Marwari College
Department of Sociology

Scanned with CamScanner